कानपुर, मंगलवार, 3 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 34, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड कर्ज में डूबा अन्नदाता...>Pg12

लायर्स एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री समेत पांच पर FIR...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

बड़ा भू-घोटाला बेनकाब

मुंबई में बैठे चाचा की जमीन बिल्हौर में भतीजे ने बेच दी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार और राजस्व विभाग के भू-माफिया विरोधी दावों की पोल खोलता एक सनसनीखेज मामला कानपुर जिले की तहसील बिल्हौर से सामने आया है। यहां ग्राम बकोठी में 40-45 वर्षों से मुंबई में रह रहे एक व्यक्ति की जमीन को फर्जी विक्रेता खड़ा कर रजिस्ट्री करा दी गई। हैरानी की बात यह है कि यह सब गवाहों, वकीलों, बायोमेट्रिक पहचान और रजिस्ट्री कार्यालय की मौजूदगी में हुआ और किसी को भनक तक नहीं लगी।

सूत्रों के अनुसार मामला संक्रमणीय भूमिधरी की आराजी गाटा संख्या 486 (0.1950 हे.) और 488 (0.1750 हे.), कुल 0.3700 हेक्टेयर भूमि से जुड़ा है। दस्तावेजों में इस जमीन की रजिस्ट्री 30 जुलाई 2025 को दर्शाई गई है, जिसमें विक्रेता के रूप में कल्याणदत्त व नारायणदत्त (पुत्र ओंकारनाथ) के नाम दर्ज हैं। जबकि ग्रामीणों और ग्राम प्रधान का साफ कहना है कि असल मालिक बीते चार दशक से मुंबई में रेलवे सेवा में कार्यरत हैं और गांव से उनका कोई सीधा संपर्क नहीं रहा।

चोर पर मोर! ब्लैकमेलिंग का नया खेल

मामले में नया मोड़ तब आया जब गांव के ही कुछ दबंगों अकुल शर्मा और सुमित शर्मा को इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई। आरोप है कि उन्होंने पोल खोलने की धमकी देकर क्रेता पक्ष पर दबाव बनाया और विवाद निपटाने के नाम पर अपनी माता श्रीमती कमला देवी के पक्ष में एक स्टांप पेपर पर लिखापढ़ी करा ली, ताकि भविष्य में जमीन बेचने पर मुनाफे में हिस्सा मिल सके। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने जिलाधिकारी कानपुर नगर से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर एफआईआर, और फर्जी रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त करने की मांग की है, ताकि भू-माफिया नेटवर्क पर प्रभावी लगाम लग सके। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे खेल में स्थानीय वकीलों और दलालों का संगठित नेटवर्क सक्रिय रहा। बिना असली मालिक की मौजूदगी के दस्तावेज पूरे कराए गए और नियमों को कागजों में ही पूरा दिखा दिया गया। सबसे बड़ा सवाल है कि बायोमेट्रिक सिस्टम होते हुए फर्जी फिंगरप्रिंट कैसे मान्य हुए? क्या रजिस्ट्री कार्यालय के भीतर मिलीभगत के बिना यह संभव है?।

- 40 साल पहले मुंबई में बसे मालिक के नाम पर रची गई रजिस्ट्री की साजिश
- सरकारी तंत्र को ठेंगा दिखाते हुए फर्जी कागजों से बेच दी गई दूसरे की जमीन

गुमनामी बनी हथियार, जालसाजों ने खेला खेल

इसी दूरी और गुमनामी का फायदा उठाकर भू-माफियाओं ने फर्जी व्यक्तियों को असली मालिक बताकर पेश किया और जमीन की रजिस्ट्री करा दी। सवाल यह है कि जब रजिस्ट्री में वास्तविक व्यक्ति की उपस्थिति, पहचान और फिंगरप्रिंट अनिवार्य हैं, तो फर्जी लोगों की पहचान कैसे स्वीकार कर ली गई?।

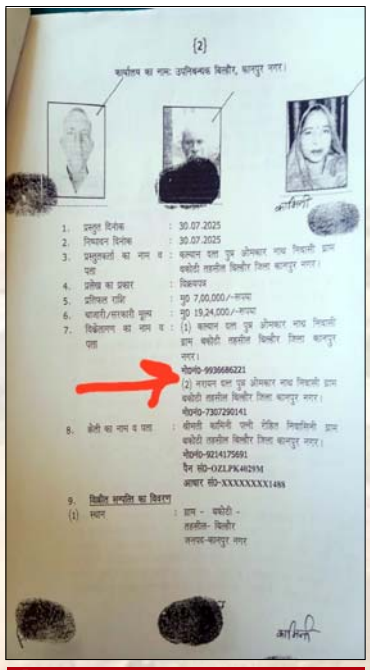

विक्रेता के नाम के आगे लिखा क्रेता के पति का मोबाइल नंबर

जमीन क्रेता का पति ही बना है गवाह

प्री-ओपनिंग में ही सेंसेक्स 3800 अंक उछला, निफ्टी 1500 अंक मजबूत

टैरिफ कट की खबर, शेयर बाजार में 'बुल रन'

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ समझौते पर सहमति के दावे ने मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी की चिंगारी जला दी। प्री-ओपनिंग सेशन से ही बाजार में आक्रामक खरीदारी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स करीब 3800 अंकों की छलांग लगाकर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी ने 1500 अंकों की ऐतिहासिक बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की।

कारोबार खुलते ही सेंसेक्स पिछले बंद स्तर से करीब 3650 अंक ऊपर चढ़कर 85 हजार के पार पहुंच गया। निफ्टी भी मजबूती के साथ 26 हजार के स्तर के ऊपर ट्रेड करता नजर आया। शुरुआती सत्र में दोनों प्रमुख सूचकांकों ने दिन के नए ऊंचे स्तर छुए। व्यापक बाजार में भी तेजी का जबरदस्त असर

दिखा।

मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में करीब 4 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। ऑटो, फार्मा, टेक्सटाइल, आईटी, बैंकिंग और कैपिटल गुड्स सेक्टर में जमकर लिवाली हुई। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयर हरे निशान में रहे। अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एलएंडटी और सन फार्मा टॉप गेनर्स में शामिल रहे, जबकि आईटीसी में मामूली कमजोरी देखी गई।

रुपये को भी मिला बूस्टर

टैरिफ डील की खबर का असर फॉरेक्स बाजार में भी दिखा। रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 1.2 प्रतिशत मजबूत होकर खुला। बाजार का मानना है कि टैरिफ में कटौती से निर्यात आधारित सेक्टरों–ऑटो पार्ट्स, फार्मा, टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वैलरी और कंज्यूमर गुड्स–को सीधा फायदा मिलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर प्रस्तावित रेसिप्रोकल टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने के ऐलान ने विदेशी निवेश और निर्यात को लेकर उम्मीदें और मजबूत कर दी हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अंतिम आधिकारिक दस्तावेज और शर्तें सामने आने के बाद ही वास्तविक असर का सटीक आकलन किया जा सकेगा।

एक नज़र में - टैरिफ डील का बाजार पर असर

- प्री-ओपनिंग में सेंसेक्स करीब 3800 अंक उछला
- निफ्टी 1500 अंकों की मजबूती के साथ खुला
- मिडकैप-स्मॉलकैप इंडेक्स में करीब 4% तेजी
- ऑटो, फार्मा, टेक्सटाइल, आईटी, बैंकिंग में जोरदार खरीद
- अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, सन फार्मा टॉप गेनर
- रुपया डॉलर के मुकाबले 1.2% मजबूत
- टैरिफ 25% से घटकर 18% होने की उम्मीद
- अंतिम डील डॉक्यूमेंट पर टिकी निवेशकों की नजर

संडे क्रिकेट लीग का फाइनल

ट्राइडेंट एकादश ने मून लाइट को हराकर खिताब किया अपने नाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। संडे क्रिकेट लीग का फाइनल मुकाबला रविवार को डीएवी मैदान में खेला गया, जहां ट्राइडेंट एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मून लाइट एकादश को एकतरफा मुकाबले में पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान में मौजूद रहे और रोमांचक मुकाबले का भरपूर आनंद उठाया।

टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए मून लाइट एकादश की टीम 25 ओवर में 10 विकेट खोकर मात्र 74 रन ही बना सकी। ट्राइडेंट एकादश की सधी और प्रभावी गेंदबाजी के सामने मून लाइट के बल्लेबाज टिक नहीं सके। अफाक बाबा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 ओवर में 2 मेडन डालते हुए मात्र 5 रन खर्च कर 2 अहम विकेट झटके, जिससे मून लाइट की पारी लड़खड़ा गई।

वहीं अनूप दीक्षित ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। इसके अलावा वत्सल ने चार विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्राइडेंट एकादश ने आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करते हुए 13वें ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर 75 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। विष्णु ने 35 रन की संयमित पारी खेली, जबकि डॉ. फहीम ने 22 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को आसान जीत दिलाई।

डकैत सीमा परिहार का भाई 27 साल बाद गिरफ्तार

लालाराम की हत्या में चल रहा था वांछित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। पुलिस ने 27 साल पुराने हत्याकांड में फरार चल रहे सीमा परिहार के भाई रामवीर को दिबियापुर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रामवीर पर निर्भय गुर्जर गैंग के साथ मिलकर लालाराम की हत्या करने का आरोप है और वह लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था।औरैया जिले में अजीतमल कोतवाली पुलिस ने 27 साल से चकमा दे रहे ग्रामीण लालाराम की हत्या के आरोपी व डकैत रहीं सीमा परिहार के भाई रामवीर को गिरफ्तार कर लिया। 1999 में हुई लालाराम की हत्या के मामले में निर्भय सिंह गैंग में इसका नाम भी प्रकाश में आया था। इसके बाद से वह लगातार अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस के अनुसार हत्यारोपी अयाना थाने के गांव बवाइन निवासी रामवीर वारदात को अंजाम देने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। वर्तमान में वह दिबियापुर थाना क्षेत्र के गांव ककरई में छिपकर रह रहा था। रविवार को पुलिस ने घेराबंदी कर उसे वहां से पकड़ लिया।

1999 में हत्या के आरोप में दर्ज की गई थी प्राथमिकी

सीओ मनोज गंगवार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 1999 में लालाराम की हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लंबे समय तक न्यायालय में पेश न होने के कारण उसके खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया।

डकैत निर्भय व सलीम सहित तीन मुठभेड़ में हुए थे ढेर

पुलिस के अनुसार ग्राम शाला सिमार चौकी अनंतराम थाना अजीतमल निवासी लालाराम जाटव की हत्या के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में डकैत निर्भय, सलीम सहित नौ नाम प्रकाश में आए थे। निर्भय और सलीम समेत तीन पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गए थे। इसी मामले में रामवीर 27 साल से फरार था।

भाई की गिरफ्तारी पर सीमा परिहार ने लगाई गुहार

औरैया। डकैत और बिग बॉस फेम सीमा परिहार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए भाई रामवीर की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। सीमा का आरोप है कि उनके भाई को अजीतमल पुलिस ने बिना किसी पूर्व सूचना या वारंट के उठा लिया है। भावुक होते हुए सीमा ने बताया कि पुलिस 1999 के किसी पुराने मामले का हवाला दे रही है।

परिवार को बेवजह बनाया जा रहा है निशाना

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुलिस महानिदेशक से न्याय की अपील करते हुए अपने भाई की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में आत्मसमर्पण के बाद से वह शांतिपूर्ण जीवन जी रही हैं, लेकिन उन्हें और उनके परिवार को अब भी बेवजह निशाना बनाया जा रहा है।

वार्ड 45 में मिनी ट्यूबवेल के लिए भूमि का पूजन

पेयजल समस्या से लोगों को मिलेगी राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।जोन 5 के वार्ड 45 स्थित विश्व बैंक बर्रा एच ब्लॉक में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। पार्षद रेनू अर्पित यादव के नेतृत्व में 25 लाख की लागत से स्वीकृत मिनी ट्यूबवेल का भूमि पूजन सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मिनी ट्यूबवेल के स्थापित होने से वार्ड 45 के विश्व बैंक एच ब्लॉक, एच वन ब्लॉक तथा आई ब्लॉक में पर्याप्त दबाव के साथ जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। इस योजना से लगभग 15 हजार की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पूर्व में पेट्रोल लाइन मरम्मत के दौरान जलकल की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसे 2 फीट ऊपर से डाले जाने के कारण लंबे समय से लो प्रेशर की समस्या बनी हुई थी। मिनी ट्यूबवेल के शुरू होने से इस समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है।भूमि पूजन कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सरोजनी यादव, किरण साहू, श्यामा सैनी, ममता दीक्षित, साधना वर्मा, सावित्री पाल, प्रमिला सचान, बबिता श्रीवास्तव, अतुल द्विवेदी, अनार सिंह यादव, गुड्डन दुबे, अशोक शर्मा, राघवेंद्र त्रिपाठी, अमित पाल, राहुल पाल, प्रिंस कुमार, दीपक कुमार, बी एल दुबे, राजेश श्रीवास्तव, राम संजीवन शुक्ला, विजय शंकर सचान, बल्ले तिवारी, बादल सविता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

क्षेत्रीय नागरिकों ने इस पहल के लिए पार्षद रेनू अर्पित यादव का आभार जताते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में यह एक बड़ी उपलब्धि है।

लायर्स एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री समेत पांच पर धोखाधड़ी की FIR

कानपुर में फर्जी बैनामों के जरिए 85 वर्षीय किसान की करोड़ों की कृषि भूमि हड़पने का आरोप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र के पतेहुरी गांव में एक 85 वर्षीय किसान की पुश्तैनी कृषि भूमि कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के जरिए अपने नाम कराने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में लायर्स एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह समेत पांच नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ पनकी थाने में धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, किसान भगवान सिंह मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं। आरोप है कि आरोपियों ने दवा कराने के बहाने उन्हें अपने साथ ले जाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए और बिना किसी वास्तविक भुगतान के उनकी बहुमूल्य कृषि भूमि के बैनामे अपने नाम करवा लिए। संबंधित भूमि आराजी संख्या 19 व 128 में पनकी मेन रोड पर स्थित है, जिसकी बाजार कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है।

जयपाल सिंह की ओर से दी गई तहरीर में बताया गया है कि अलग-अलग तिथियों में कुल तीन बैनामे कराए गए। आरोप है कि बैनामों में दर्शाए गए चेक नंबर फर्जी हैं और किसान के बैंक खाते में किसी प्रकार की धनराशि जमा नहीं हुई। इस संबंध में बैंक खातों का विवरण पुलिस को सौंपा गया है। तहरीर में यह भी कहा गया है कि दो बैनामों में गवाह के रूप में जयपाल सिंह की फोटो फर्जी रूप से लगाई गई तथा किसी अन्य व्यक्ति से उनके जाली हस्ताक्षर कराए गए। परिवार को जब कथित धोखाधड़ी की जानकारी हुई और उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपियों द्वारा गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पनकी थाना प्रभारी के अनुसार, सभी नामजद आरोपियों और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। प्रस्तुत बैनामों, बैंक विवरण और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- मामला पनकी थाना क्षेत्र के पतेहुरी गांव का
- पीड़ित किसान की उम्र 85 वर्ष, मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए गए
- पुश्तैनी कृषि भूमि आराजी संख्या 19 व 128 में स्थित
- तीन अलग-अलग तिथियों में कथित बैनामे किए जाने का आरोप
- बैनामों में दर्शाए गए चेक नंबर फर्जी बताए गए
- गवाह की फोटो व हस्ताक्षर जाली होने का दावा
- पूर्व लायर्स महामंत्री समेत पांच नामजद, एक अज्ञात
- पुलिस जांच जारी, दस्तावेजों की पड़ताल

फांसी पर लटका मिला छात्र का शव सुसाइड नोट बरामद

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के होरा बांगर नई बस्ती में मंगलवार सुबह 25 वर्षीय प्रतियोगी छात्र जीतू यादव का शव घर के हॉल में फंदे से लटका मिला। जीतू यहां रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। सुबह काफी देर तक फोन कॉल रिसीव न होने पर उसके दोस्तों को अनहोनी की आशंका हुई। जब वे कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो छात्र का शव फंदे से लटका मिला।

- फोन कॉल रिसीव न होने पर दोस्तों ने दी सूचना, दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची पुलिस

मृतक के पिता जयवीर सिंह सेना से सेवानिवृत्त हैं और गांव में रहते हैं। बड़े भाई पुष्पेंद्र सिंह ने मौत को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि जीतू मानसिक रूप से परेशान नहीं था और अपने भविष्य को लेकर गंभीर था। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच के दौरान नशे से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं भी बरामद की हैं। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिलने की भी पुष्टि हुई है, जिसकी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सुसाइड नोट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2.70 लाख की ठगी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वल कानपुर। रावतपुर क्षेत्र के एक युवक से विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2.70 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की ओर से न्यायालय में वाद दाखिल किए जाने के बाद रावतपुर पुलिस ने 114 दिन बाद एक निजी प्लेसमेंट फर्म से जुड़ी दो महिलाओं समेत कुल 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- लक्जमबर्ग में नौकरी का फर्जी ऑफर लेटर देकर वसूली का आरोप
- 114 दिन बाद दर्ज हुआ मुकदमा, प्लेसमेंट फर्म से जुड़ी दो महिलाएं भी नामजद

नवीन नगर निवासी अहमद असद ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में दी अर्जी में बताया कि रावतपुर स्थित एक निजी प्लेसमेंट फर्म के अक्षय कुमार ने उन्हें यूरोप के लक्जमबर्ग में ऑडिटोरियल ग्राफिक डिजाइनर के पद पर नौकरी दिलाने का प्रस्ताव दिया। 18 जून 2024 को उन्हें नौकरी से संबंधित ऑफर लेटर भी दिया गया। आरोप है कि इसके बाद फर्म से जुड़े राहुल शर्मा, अक्षय कुमार, दुर्गेश कुमार, प्रियंका, रमन, विजिंदर सिंह ग्रेवाल, रोहन शर्मा, अमन, राजवीर सिंह और दीपिका पुरी ने मिलकर रकम मांगनी शुरू कर दी।शुरुआत में वीजा और पूरी प्रक्रिया के नाम पर 40 हजार रुपये बताये गए, लेकिन बाद में नियुक्ति से जुड़े कथित फर्जी दस्तावेज दिखाकर कुल 2.70 लाख रुपये वसूल लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि सच्चाई पता चलने पर जब उसने रुपये वापस मांगे तो उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। नौ अक्टूबर को थाने और पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई न होने पर उसने कोर्ट की शरण ली। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

खालिद ने दिया धोखा, शोयब से की शादी, अब हो गया कत्ल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट में सोमवार को नवविवाहिता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका के चेहरे पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने पति के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी पति फरार बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार दीपिका सैनी ने अक्टूबर 2025 में रामगंगा एनक्लेव, रतनपुर निवासी ट्रक चालक सौरभ दुबे उर्फ शोएब से प्रेम विवाह किया था। पड़ोसियों के मुताबिक दंपति के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। सोमवार देर शाम दीपिका के भाई कुलदीप ने जब फोन किया तो कॉल रिसीव नहीं हुई। अनहोनी की आशंका पर वह सीधे फ्लैट पहुंचा, जहां पति मौजूद मिला। पूछने पर उसने दावा किया कि दीपिका ने फांसी लगा ली है। लेकिन कमरे में जाकर देखा तो दीपिका का शव बिस्तर पर पड़ा था।

मृतका की फाईल फोटो

- अपार्टमेंट में मिला नवविवाहिता का शव, पति पर लगा हत्या का आरोप
- पहले भी कर चुकी थी लव मैरिज, दो बच्चों की मां थी मृतका, पुलिस जांच में जुटी

पहले भी कर चुकी थी प्रेम विवाह

परिजनों के अनुसार दीपिका ने करीब छह साल पहले भी खालिद नाम के युवक से प्रेम विवाह किया था, जिससे उसके दो बच्चे हैं। विवाद के बाद दोनों में अलगाव हो गया था। इसके बाद वह फैक्ट्री में काम कर बच्चों का पालन-पोषण कर रही थी।

पुलिस को फोन करते ही आरोपी फरार

भाई ने जैसे ही पुलिस को सूचना देने के लिए फोन निकाला, आरोपी पति मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ दहेज हत्या की धारा में केस दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीमें फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

बंशी कॉलेज में 'ओल्ड इज़ गोल्ड' थीम पर कला कुंज का भव्य सांस्कृतिक आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।बंशी कॉलेज ऑफ एजुकेशन बिठूर कानपुर परिसर में कला कुंज संस्था द्वारा 'ओल्ड इज़ गोल्ड' थीम पर आधारित एक भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुराने फिल्मी गीतों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में कला कुंज से जुड़ी विभिन्न वर्गों की महिलाओं ने आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुतियाँ दीं। साथ ही नन्हे कलाकारों की सजीव प्रस्तुतियों ने मंच को और भी आकर्षक बना दिया। संगीत, नृत्य और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से पुरानी यादों को जीवंत करने का प्रयास सराहा गया।

कला कुंज संस्था महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-स्वीकृति और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से निरंतर ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। संस्था द्वारा संगीत चिकित्सा के माध्यम से महिलाओं की मानसिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव, स्वयं से प्रेम, संतुलित जीवनशैली, आत्म-प्रस्तुति एवं मंच पर प्रभावी संवाद जैसे विषयों पर कार्य किया जाता है।

कार्यक्रम में कला कुंज की संस्थापिका डॉ. राखी बाजपेई, सह-संस्थापिका डॉ. विजयलक्ष्मी तथा मुख्य अतिथि एडवोकेट यामिनी मिश्रा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ, जिसकी प्रस्तुति आदित्य द्वारा दी गई।

कार्यक्रम का सफल संचालन खुशबू दुबे ने किया।

इस अवसर पर ख्याति, ललिता, साक्षी, करिश्मा, मीनाक्षी, ऋषिका, एकता, सुनंदा, सलोनी, निधि, उर्वशी, ईशान, आराध्या, अनु, अनीशा, नम्रता, डॉ. सोहिनी दीक्षित सहित अनेक कलाकारों ने सहभागिता कर अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

मूसलाधार बारिश के साथ छाया रात जैसा मंजर

ठंडी हवाओं और बारिश ने थाम दिया शहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पश्चिमी विक्षोभ और नमी युक्त हवाओं के मिलन से मंगलवार सुबह कानपुर में दिन में ही रात जैसा अंधेरा छा गया और झमाझम बारिश शुरू हो गई। न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री तक गिरने और तेज हवाओं के कारण शहर में कड़ाके की ठंड लौट आई है।कानपुर में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे करीब सुबह नौ बजे दिन में ही अंधेरा छा गया। सड़कों पर सन्नाटा पसर गया और आम जनजीवन प्रभावित हुआ। तेज ठंडी हवाओं और बारिश से ठिठुरन बढ़ गई।कई इलाकों में लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जलाकर बैठे नजर आए। न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार, देर रात पश्चिमी विक्षोभ और एक एंटी साइक्लोन के मिलने से बादलों की श्रृंखला बनी है, जिसके कारण बारिश हुई।

बारिश व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी

इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी युक्त हवाएं भी सक्रिय रहीं। बारिश के चलते दिन के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने कानपुर के साथ-साथ आसपास के जिलों औरैया, हमीरपुर, कन्नौज, कानपुर देहात और उन्नाव में भी बारिश व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया है।

अगले दो से तीन दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहने की संभावना जताई गई है।

सम्पादकीय

मासूमों को मिले स्नेह व हौसले का संबल

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है।यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद्दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कालांतर यह भय व कुंठा जीवनभर उनका पीछा करती है। उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। तब वे जीवन की स्पर्धा में भी दब्बू बनकर रह जाते हैं। यह भी विडंबना ही है कि आज भी बच्चों पर पढ़ाई का बोझ थोपने से पहले हमारे यहां किसी तरह का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नहीं होता है कि बच्चे की अभिरुचि किन विषयों में है। सही मायनों में हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। कुदरत उसकी रचना किसी खास मकसद के लिये करती है। लेकिन मां-बाप व शिक्षक पहचान नहीं पाते कि उसका रुझान किस दिशा में है। यदि समय रहते बच्चे की उस प्रतिभा को पहचाना जा सके और उस विषय व दिशा में उसे प्रोत्साहित किया जाए, तो वे अप्रत्याशित रूप से किसी भी क्षेत्र में शिखर की सफलता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे कई तरह के जन्मजात व आनुवंशिक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जो उनकी सामान्य पढ़ाई में बाधक हो सकता है। कई बच्चों में जन्म से ही दृष्टि दोष या कोई अन्य शारीरिक व मानसिक विकार भी हो सकता है, जिसके चलते वे अपनी पढ़ाई को ठीक से पूरा नहीं कर पाते। फलतः उन्हें शिक्षकों व परिजनों के हिंसक व्यवहार का शिकार होना पड़ता है। आज बच्चों को संवेदनशील ढंग से देखने की जरूरत है ताकि उनकी पढ़ाई में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सके। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा।

राज्यपालों की भूमिका पर फिर खिंची तलवारें

डा0 सुधीर कक्कड़

मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला.मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुतः समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, राजनीतिक संस्कृति में है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक विधानसभाओं में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच टकराव की खबरें इस साल भी आई हैं। ऐसा किसी न किसी रूप में पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्तमान टकराव राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए अभिभाषणों के पढ़ने से जुड़ा है। प्रत्यक्षतः ऐसा अनजाने में नहीं हो रहा है। इन मामलों से जुड़े सभी पक्ष संवैधानिक व्यवस्थाओं और उनसे जुड़ी मर्यादा-रेखाओं से भली भांति परिचित हैं।

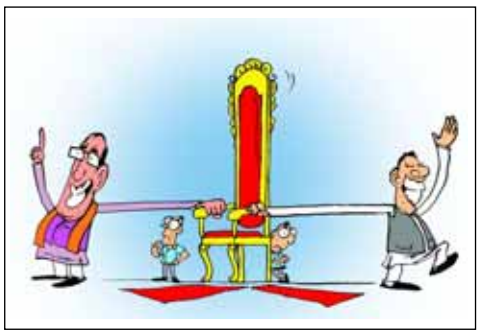

राज्यपाल जानते-समझते हैं और राज्य सरकारें भी। तब ऐसा क्यों होता है?इन राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपालों के रिश्ते काफी समय से तनावपूर्ण रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होने वाले राज्यपालों के 'एट होम' कार्यक्रमों का बहिष्कार कर चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच सीधा संवाद बहुत कम है। इस वक्त तो चुनाव करीब हैं, इसलिए माहौल में वैसे ही गर्मी भरी है।दक्षिण के जिन तीन राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं, उनमें इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही पार्टियों की सरकारें हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के विरोध में हैं। ऐसे विवाद होते ही तभी हैं, जब केंद्र और राज्य की सरकारों का आपसी विरोध हो। बंगाल और पंजाब में भी इससे मिलते-जुलते प्रकरण हुए हैं। राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित सरकारों द्वारा तैयार किए गए भाषणों या विशेष संबोधनों को हूबहू पढ़ना एक संवैधानिक परंपरा है। यह ब्रिटिश परंपरा है, जिस पर आधारित भारत की संसदीय प्रणाली में भी उन्हीं परंपराओं के पालन की उम्मीद की जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ब्रिटिश राजा या रानी ने आधिकारिक भाषण को लेकर ना-नुकुर की हो। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच बहुत से मामलों में मतभेद थे, पर उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं किया, जिससे संसदीय मर्यादा भंग हो। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने 1998 के गणतंत्र दिवस संबोधन में कुछ बदलाव किया था। कुछ दूसरे मौकों पर भी उन्होंने प्रस्तावित मसौदों में संशोधन किए थे, ताकि भाषण का स्वर और संदेश उनके विचारों के अनुरूप हो। ऐसे मौके संसद से बाहर के वक्तव्यों में ज्यादा देखे गए। उनके दृष्टिकोण और अब हो रहे टकराव में फर्क है। अब इसने राजनीतिक टकराव की शक्ल ले ली है। मसलन कर्नाटक के प्रसंग को देखें, जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गत 22 जनवरी को विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। गहलोत के इस कार्य को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा, संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल की ओर से तैयार पूरा भाषण पढ़ना चाहिए। उधर राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण के पैरा नंबर 11 पर नाराज थे, जिसमें इनमें लिखा है कि केंद्र सरकार ने यूपीए काल में शुरू की गई मनरेगा योजना को कमजोर किया है। उसका बजट घटाया है, जिससे ग्रामीण रोजगार प्रभावित हुआ है। वस्तुतः यह केंद्र-राज्य संबंधों का महत्वपूर्ण पहलू है। सवाल है कि राज्य सरकारों के पास असहमति व्यक्त करने का क्या यही रास्ता बचा है? और क्या राज्यपालों के पास अपने विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार है?

शिक्षा के जरिये रोजगार सृजन की दिशा में कदम सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से सीधे राज्यपाल के माध्यम से केंद्र की आलोचना करनी चाहिए? आखिरकार राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक पद है। उसे राज्य में केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है, न कि राज्य सरकार के प्रवक्ता के रूप में। पर क्या केंद्र सरकार को उनके माध्यम से राज्य सरकारों पर दबाव बनाना चाहिएतमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ लगातार टकराव चलने के कारण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानमंडल के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने का समर्थन किया है। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987-1992) आर वेंकटरमण ने राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधायिका के समक्ष पारंपरिक अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने की सिफारिश कई बार की थी। वे इस औपनिवेशिक प्रथा को अनावश्यक और असंवैधानिक मानते थे।

आम आदमी की आकांक्षाओं पर कितना खरा है बजट

शिक्षा और रोजगार

निखिल गुप्ता

शिक्षा और रोजगार को जोड़ने वाला 'एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट' मॉडल सरकार की उस सोच को सामने लाता है, जो कक्षा और कार्यस्थल के बीच की खाई को पाटने का दावा करती है। पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए 15,000 रुपये का डीबीटी बोनस और एक करोड़ इंटर्नशिप की घोषणा निश्चित रूप से आकर्षक लगती है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को एक ओर जहां सरकार के घटक दलों द्वारा विकसित भारत का बजट और बदलते भारत की राजनीतिक-आर्थिक प्राथमिकताओं तथा सरकार की दीर्घकालिक सोच का आईना बताया गया है, वहीं विपक्ष द्वारा इसे पूरी तरह दिशाहीन बजट करार दिया गया है। वैसे निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार बजट पेश कर संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

सवाल यह नहीं है कि बजट कितना बड़ा है या कितने नए आंकड़े पेश किए गए हैं बल्कि यह है कि क्या यह बजट महंगाई से जूझ रहे आम नागरिक के वर्तमान को कुछ राहत देता है और भविष्य के लिए भरोसेमंद आधार तैयार करता है? बजट के तमाम महत्वपूर्ण प्रावधानों का आकलन किया जाए तो यह बजट विकास, निवेश, बुनियादी ढ़ांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की स्पष्ट झलक तो दिखाता है लेकिन इसके साथ ही इसमें कई ऐसे खाली स्थान भी हैं, जो आम आदमी और विशेषकर किसान, निम्न आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए निराशा पैदा करते हैं। सरकार ने इस बार तात्कालिक लोकलुभावन उपायों से दूरी बनाते हुए दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दिया है। यह दृष्टिकोण आर्थिक रूप से समझदारी भरा हो सकता है लेकिन लोकतंत्र में बजट का मूल्यांकन केवल भविष्य के सपनों से नहीं, वर्तमान की चुनौतियों से भी होता है।

शिक्षा और रोजगार को जोड़ने वाला 'एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट' मॉडल सरकार की उस सोच को सामने लाता है, जो कक्षा और कार्यस्थल के बीच की खाई को पाटने का दावा करती है। पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए 15,000 रुपये का डीबीटी बोनस और एक करोड़ इंटर्नशिप की घोषणा

निश्चित रूप से आकर्षक लगती है। यह कदम युवाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में सकारात्मक है। लेकिन यहां भी सबसे बड़ा प्रश्न क्रियान्वयन का है। क्या ये इंटर्नशिप वास्तविक कौशल और स्थायी रोजगार की ओर ले जाएंगी या फिर यह योजना सस्ते श्रम तक सीमित रह जाएगी? भारत पहले भी कई बार योजनाओं के आकर्षक नाम और बड़े लक्ष्यों के बावजूद जमीनी स्तर पर कमजोर क्रियान्वयन का अनुभव कर चुका है। 'स्किल इंडिया 2.0' के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकों को क्षेत्रीय भाषाओं में सिखाने की योजना डिजिटल डिवाइड को कम करने की दिशा में अहम कदम है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए यह तकनीकी दुनिया में प्रवेश का द्वार खोल सकता है लेकिन प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और उद्योग-सहयोग के बिना यह पहल भी सीमित असर तक सिमट सकती है। शिक्षा बजट को लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव सराहनीय है लेकिन बढ़ती छात्र संख्या, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शोध की जरूरतों के सामने यह राशि अपर्याप्त प्रतीत होती है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट राहत और मायूसी का मिश्रण है।

लेकिन आयकर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में घोषणा अवश्य की गई है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, कर व्यवस्था को जटिल छूटों के जाल से निकालकर सरल और पारदर्शी बनाना, ताकि उपभोग बढ़े और अर्थव्यवस्था में मांग का संचार हो। यह दृष्टिकोण आर्थिक सुस्ती के दौर में उपयोगी हो सकता है। सरकार ने कुछ चुनिंदा वस्तुओं और क्षेत्रों में कर कटौती कर राहत देने की कोशिश की है। कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं का सस्ता होना निसंदेह करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरक्षक कदम है। मोबाइल फोन, ईवी बैटरी और सौर पैनलों पर रियायतें हरित ऊर्जा और डिजिटल इंडिया को गति देने के साथ-साथ तकनीक को आम आदमी की पहुंच में लाने का प्रयास हैं। जूते, कपड़े और कुछ घरेलू उपकरणों के सस्ते होने से मध्यमवर्गीय खपत में हल्की तेजी आ सकती है लेकिन दूसरी ओर शराब, खनिज और स्क्रैप पर बढ़े शुल्क से उत्पादन लागत बढ़ने और अंततः उपभोक्ता कीमतों पर असर पड़ने की आशंका भी बनी हुई है। सबसे बड़ा झटका शेयर बाजार में देखने को मिला। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग पर बढ़े टैक्स ने खुदरा निवेशकों की धारणा को कमजोर किया और बजट के दौरान बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे यह संदेश गया कि सरकार सट्टात्मक गतिविधियों पर सख्ती चाहती है लेकिन इसके दुष्परिणाम अल्पकाल में निवेशकों और बाजार की स्थिरता पर पड़े। यह बजट महंगाई और निवेश के मोर्चे पर एक तरह का विरोधाभास प्रस्तुत करता है, एक ओर खपत बढ़ाने की कोशिश, दूसरी ओर निवेश भावना को झटका।

जमीनी विवाद में चली लाठी पांच लोग हुए लहुलूहान

छप्पर हटाने को लेकर शुरू हुई कहासुनी, देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदली

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। थाना क्षेत्र के सुक्खापुरवा गांव में सोमवार को जमीनी विवाद में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हुए इस संघर्ष में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। घटना से गांव में अफरातफरी मच गई।बताया गया कि गांव में कुछ दिन पहले पुलिस की मौजूदगी में जमीन का बंटवारा कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद विवाद पूरी तरह शांत नहीं हो सका। सोमवार को जमीन पर रखे छप्पर को हटाने को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में हिंसक झगड़े में बदल गई।

मारपीट में एक पक्ष से सोनू, कुलदीप और रेखा घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष के लवकुश और रामू को चोटें आईं। ग्रामीणों ने

किसी तरह बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर लवकुश और रामू को हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया। घटना के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे और एक-दूसरे पर आरोप लगाए।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है। एक पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त हो गई है। दूसरे पक्ष के घायलों के लौटने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इबादत में गुज़रेगी पूरी रात, आज मनाई जाएगी शब-ए-बारात

कानपुर/बिल्हौर। मुस्लिम समाज के लिए बेहद अहम मानी जाने वाली शब-ए-बारात की मुबारक रात मंगलवार को अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जाएगी। मुस्लिम कैलेंडर के मुताबिक 14 शाबान की शाम से शब-ए-बारात का आग़ाज़ होगा।

इस मुबारक मौके पर अकीदतमंद पाकीज़गी के लिए गुस्ल कर पूरी रात इबादत, तिलावत-ए-कुरआन और नफ़्ल नमाज़ में गुज़ारेंगे। शब-ए-बारात के मौके पर अकीदतमंद क़ब्रिस्तानों में जाकर मरहूमीन की मग़फ़िरत के लिए दुआ करते हैं। मस्जिदों और मोहल्लों में इबादत के लिए तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। उलेमा-ए-दीन ने लोगों से शब-ए-बारात की रात फिजूलखर्ची

➪ आतिशबाज़ी से परहेज़ करते हुए पूरी तवज्जो इबादत और दुआ में लगाने की अपील

कब्रिस्तान में साफ-सफाई व रंगाई-पुताई की गई

और आतिशबाज़ी से परहेज़ करते हुए पूरी तवज्जो इबादत और दुआ में लगाने की अपील की है।शहर और देहात के इलाकों में शब-ए-बारात को लेकर धार्मिक माहौल बना हुआ है और अकीदतमंद इस मुबारक रात को पूरे एहतराम के साथ मनाने की तैयारी में जुटे हैं।

अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन शुरू, दो गांवों में हटाए अवैध कब्जे

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

➪ लगातार मिल रही शिकायतों पर प्रशासन ने दिखाई सख्ती

➪ शिवदत्तापुर व तकीपुर गांव में हटवाए गए अवैध कब्जे

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में अतिक्रमण की बढ़ती शिकायतों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को कार्रवाई की। उप जिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित के निर्देश पर राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने शिवदत्तापुर और तकीपुर गांवों में पहुंचकर अवैध कब्जों को हटवाया।

शिवदत्तापुर गांव में सार्वजनिक नाली पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया। नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, लेखपाल पंकज और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर जांच की। नाली पर अवैध कब्जे की पुष्टि होने पर तत्काल उसे हटवाया गया, जिससे जल निकासी बहाल हो सकी। साथ ही संबंधित लोगों को भविष्य में अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई।वहीं चौबेपुर थाना क्षेत्र के तकीपुर गांव में सरकारी बंजर भूमि पर किए गए अवैध निर्माण की शिकायत पर भी कार्रवाई की गई।

नायब तहसीलदार दिव्या भारती के नेतृत्व में राजस्व टीम और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को गिरा दिया और भूमि को कब्जा मुक्त कराया। अधिकारियों ने बताया कि कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोबारा कब्जा करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नामांकन के बाद तस्वीर साफ, अधिकांश पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय

द लॉयर्स एसोसिएशन चुनाव: महामंत्री की कुर्सी पर सीधा मुकाबला

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। द लॉयर्स एसोसिएशन, बिल्हौर के चुनावी समर में नामांकन के आख़िरी दिन तस्वीर लगभग साफ हो गई। ढोल-नगाड़ों और समर्थकों की मौजूदगी में हुए नामांकन के बाद जहां अधिकांश पदों पर निर्विरोध जीत तय होती नजर आ रही है, वहीं महामंत्री की कुर्सी ने पूरे चुनाव को असली रंग दे दिया है।

नामांकन प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद पर जनार्दन सिंह यादव ने पर्चा दाखिल किया। महामंत्री पद के लिए कुशल पांडे और विशाल सैनी के नामांकन से सीधा मुकाबला तय माना जा रहा है। अन्य पदों पर एकल नामांकन होने से चुनाव की औपचारिकता ही शेष रह गई है।

कोषाध्यक्ष पद के लिए रितेश गुप्ता, अंकेक्षक पद पर गौरव शर्मा ने नामांकन किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ऋषि नारायण गुप्ता और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गौरव कुमार शर्मा मैदान में हैं। संयुक्त मंत्री प्रशासन पद के लिए रमाकांत राठौर, संयुक्त मंत्री प्रकाशन पद पर

अनिरुद्ध शुक्ला तथा संयुक्त मंत्री पुस्तकालय पद के लिए कामयाब हुसैन जाफरी ने अपने पर्चे दाखिल किए।वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकारिणी के चार-चार पदों पर भी एक-एक उम्मीदवार के नामांकन होने से इन पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है।निर्वाचन कमेटी द्वारा तीन फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच के बाद निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची घोषित की जाएगी।

मौजूदा हालात में महामंत्री पद को छोड़कर शेष सभी पदों पर सहमति से परिणाम आने के संकेत हैं। नामांकन की पूरी प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी आनंद शर्मा एडवोकेट की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान एल्डर कमेटी के सदस्य प्रशांत त्रिवेदी एडवोकेट, गोविंद प्रसाद वर्मा एडवोकेट एवं शमसुल इस्लाम एडवोकेट मौजूद रहे।

बुझाई धूनी, समेटे तंबू और गंगा को किया प्रणाम

पांचाल घाट पर बसा तंबुओं का शहर अब अपने अस्तित्व को समेट रहा

रवि नंदन मिश्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। पांचाल घाट पर सुबह की ठंडी हवा में गंगा की लहरें अब भी वैसी ही बह रही हैं, लेकिन घाट पर पसरा सन्नाटा बहुत कुछ कह रहा है। जहां कुछ दिन पहले तक मंत्रोच्चार गूंजता था, वहां अब बिखरे तिनके, बुझती धूनी और आधे खुले तंबू कल्पवास के विदा गीत गा रहे हैं। पांचाल घाट पर बसा तंबुओं का शहर अब अपने अस्तित्व को समेट रहा है।

माघी पूर्णिमा का स्नान हो चुका है। मां गंगा से अंतिम बार जल उठाकर माथे से लगाने के बाद कल्पवासी चुपचाप लौट रहे हैं—कोई पैदल, कोई ट्रॉली में सामान भरते हुए, तो कोई नाव से घाट पार करता हुआ।

आंखों में संतोष है, लेकिन मन में एक अजीब-सी खाली जगह। करीब एक माह तक यह घाट एक अलग ही दुनिया बन गया था। तंबुओं की कतारें, सुबह-सुबह शंखनाद, शाम को भजन-कीर्तन और रात को दीपों की लौ। 3000 वर्ग किलोमीटर में फैला यह मेला सिर्फ आयोजन नहीं था, बल्कि अस्थायी जीवन का अभ्यास था—जहां हर व्यक्ति थोड़े समय के लिए सब कुछ छोड़कर आ गया था।

अयोध्या से आए 72 वर्षीय कल्पवासी रामदास कहते हैं यहां आकर लगता है जैसे जीवन दोबारा सरल हो गया हो। अब लौट रहे हैं तो शरीर घर जा रहा है, मन यहीं छूट रहा है।

खाली होते तंबू, बुझती धूनी

अब वही तंबू एक-एक कर गिराए जा रहे हैं। कहीं बांस की खटिया बंध रही है, कहीं कपड़े की गांठें बन रही हैं। धूनी बुझ चुकी है, लेकिन राख में अब भी गर्माहट बाकी है जैसे इन दिनों की स्मृति। अनुमान है कि 5 फरवरी तक आखिरी कल्पवासी भी घाट छोड़ देंगे। इसके बाद पांचाल घाट फिर वही होगा—खुला, शांत और प्रतीक्षारत।

व्यापार भी समेट रहा उमीदें

मेले में लगी दुकानों के आगे बैठा कन्नौज का अमित चुपचाप अपनी चाय पीता है।भीड़ तो थी, लेकिन खरीद कम हुई।

फिर भी यही सोचकर आए थे कि गंगा किनारे नुकसान भी प्रसाद होता है, वह मुस्कुराकर कहता है। करीब 700 दुकानों वाला यह बाजार भी अब अपने आखिरी दिनों में है। लकड़ी के फ्रेम खुल रहे हैं, तिरपाल तह हो रहे हैं।

रौनक की आखिरी सांस

हालांकि पूरी तरह सन्नाटा नहीं है। झूले अभी भी घूम रहे हैं। बच्चों की हंसी घाट की उदासी को थोड़ी देर के लिए तोड़ देती है।

स्थानीय लोग आखिरी बार मेला देखने आ रहे हैं जैसे किसी विदाई को देखने। शाम ढलते ही गंगा किनारे सूर्य अस्त होता है।

घाट पर कोई घोषणा नहीं होती, कोई शोर नहीं। बस एक मौन विदाई मेला खत्म हो रहा है, लेकिन स्मृतियां यहीं रह जाएंगी।

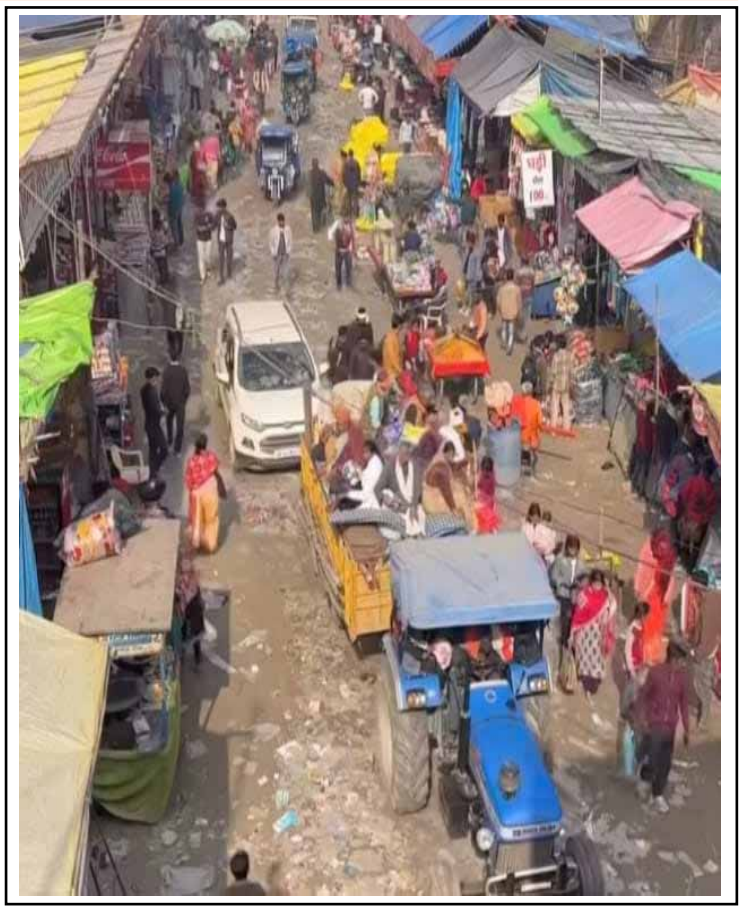

पुखरायां में बुलडोजर एक्शन की आहट!

» मेन रोड खाली करो वरना मिट्टी में मिल जाओगे, पीडब्ल्यूडी का 15 दिन का अल्टीमेटम

सरकारी जमीन पर कब्जा पड़ा भारी, पुखरायां की सैकड़ों दुकानें-मकान रडार पर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसे जिले के सबसे बड़े कस्बे पुखरायां में बुलडोजर की आहट से हड़कंप मच गया है। पीडब्ल्यूडी ने मेन रोड के दोनों ओर जमे पक्के अतिक्रमण पर सीधा वार करते हुए 15 दिन का आख़िरी नोटिस थमा दिया है। स्पष्ट चेतावनी दी गई है या तो खुद अतिक्रमण हटाओ, नहीं तो पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में बुलडोजर सब कुछ मिट्टी में मिला देगा।

तीन साल की चेतावनी, अब कार्रवाई तय

सूत्रों के मुताबिक मेन रोड पर नाली के ऊपर, सड़क सीमा के भीतर बहुमंजिला दुकानें और मकान खड़े कर दिए गए थे। करीब तीन साल पहले कराई गई पैमाइश में नाली से दोनों ओर 25-25 फुट सरकारी जमीन पर कब्जा पकड़ा गया था। तब निशान लगाए गए, नाम चिन्हित हुए, लेकिन प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए अतिक्रमण जस का तस खड़ा रहा।

जाम का नासूर, कस्बा हुआ बेहाल

सड़क तक फैले अतिक्रमण ने पुखरायां को रोज़ाना जाम का गढ़ बना दिया। हालात इतने बिगड़े कि रोडवेज बसों को बाईपास से निकालना पड़ा, व्यापार चौपट हुआ और आम जनता त्रस्त रही। लगातार शिकायतों और शासन के सख्त निर्देशों के बाद पीडब्ल्यूडी, नगर पालिका और राजस्व विभाग एक्शन मोड में आ चुके हैं। बीते दो दिनों में पूर्वी-पश्चिमी पुखरायां में सैकड़ों नोटिस थमाए जा चुके हैं। नोटिस मिलते ही दुकानदारों और मकान मालिकों में दहशत है। कहीं आपात बैठकों का दौर, तो कहीं नेताओं और अफसरों की चौखट पर सिफारिशों की कतार लग गई है।कस्बे में हर जुबान पर अब सिर्फ एक सवाल

एक नज़र में- पुखरायां बुलडोजर एक्शन

» स्थान- पुखरायां, कानपुर देहात

» मार्ग-झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (मेन रोड)

» मामला -सरकारी जमीन पर पक्का अतिक्रमण

» अतिक्रमण क्षेत्र -नाली से दोनों ओर 25-25 फुट

» नोटिस अवधि - 15 दिन

» चेतावनी - खुद हटाओ, नहीं तो बुलडोजर

» कार्रवाई में शामिल - पीडब्ल्यूडी, राजस्व विभाग, पुलिस

» कारण- भीषण जाम, यातायात बाधित, जन-शिकायतें

» प्रभाव-रोडवेज बसें बाईपास से गुजरीं

» स्थिति-बाजार में दहशत, सिफारिशों की दौड़

संदिग्ध हालात में रेलवे ट्रैक किनारे मिला डायल-112 कांस्टेबल का शव

» छुट्टी पर घर आया था पुलिसकर्मी, आत्महत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के तिलोंची स्टेशन के पास सोमवार को रेलवे ट्रैक के किनारे एक पुलिसकर्मी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने आत्महत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेल ट्रैक के किनारे जांच करती पुलिस

मृतक की पहचान गजनेर थाना क्षेत्र के तिलोंची गांव निवासी 40 वर्षीय धीरेंद्र सिंह उर्फ राघवेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वह पुलिस विभाग में जनपद ललितपुर में डायल-112 सेवा में आरक्षी के पद पर तैनात थे। बताया गया है कि वह अपनी पत्नी के साथ छुट्टी पर अपने पैतृक गांव आए हुए थे।सोमवार को तिलोंची स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे उनका शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

मौके पर प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी ग्रोथ सेंटर तथा पुलिस टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए, जहां रो-रोकर उनका बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का कहना है कि मृतक की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, ऐसे में घटना को लेकर वे स्तब्ध हैं।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो पाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

मर्यादा पुरुषोत्तम की लीला से गुंजायमान हुआ भदेसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात माती। सरवनखेडा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भदेशा में श्री बाला जी नवयुवक रामलीला समिति भदेसा के तत्वावधान में ग्राम भदेसा में विशाल धनुष यज्ञ समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित रामलीला का भावपूर्ण मंचन किया गया।

कार्यक्रम को उद्घाटन दीपू अवस्थी द्वारा किया गया। दो दिवसीय आयोजन के दौरान प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप को दर्शाने वाले प्रसंगों के मंचन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान कुनवारी एवं ताऊ के बंधन पर आधारित दीपा प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्री बाला जी रामलीला समिति के अध्यक्ष सोनू मिश्रा, संतोष सिंह, योग सिंह, पवन सिंह, इन्द्रजीत परिहार (प्रकाश), छोटे, बाहुबली सिंह, सौर सिंह, नवीन मिश्रा एवं दीपा सहित अन्य लोगों ने व्यवस्था में सहयोग किया।

एसआईआर को लेकर डीएम की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

» अधिकारियों को आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत नोटिस निर्गत किए जाने एवं उनकी सुनवाई से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी देने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर दावे एवं आपत्तियों की सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई, जिससे मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सहभागी बनाया जा सके।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि 02 फरवरी 2026 तक जनपद में 22,324 फार्म-6, 519 फार्म-7 तथा 3,587 फार्म-8 प्राप्त हुए हैं, जबकि अब तक कुल 1,33,266 नोटिस जनरेट किए जा चुके हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से सक्रिय सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य समयबद्ध एवं निष्पक्ष ढंग से पूर्ण कराया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार सहित समाजवादी पार्टी से शेखू खान व बृजमोहन यादव, कांग्रेस पार्टी से गोविंद यादव, बहुजन समाज पार्टी से युवराज सिंह व आशुतोष गौतम तथा अन्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री कैंप बना किसानों की समस्याओं का मंच, योजनाओं से जोड़ने की बड़ी पहल

दो दर्जन से अधिक किसानों ने कराई फार्मर रजिस्ट्री, योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। किसानों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं को सुनने के उद्देश्य से रसूलाबाद कस्बे के आजाद नगर स्थित सभासद कार्यालय में फार्मर रजिस्ट्री कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के माध्यम से दो दर्जन से अधिक किसानों ने अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराई, जिससे किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कृषि विभाग द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कैंप आयोजित किया गया। उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव के निर्देश पर रसूलाबाद तहसील क्षेत्र में लगातार फार्मर रजिस्ट्री कैंप लगाकर किसानों को सरकारी योजनाओं की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। मंगलवार को आयोजित कैंप में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करते हुए बीटीएम जगप्रसाद निषाद ने बताया कि किसानों की भूमि को आधार कार्ड से लिंक कर एक यूनिक आईडी तैयार की जा रही है। इस आईडी के माध्यम से किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त होगा।उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री हो जाने के बाद किसानों को बीज, उर्वरक, कृषि निवेश, कृषि यंत्रों पर अनुदान सहित कई योजनाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की किस्त भी बाधित नहीं होगी। भविष्य में कृषि विभाग की अधिकांश योजनाएं फार्मर रजिस्ट्री से ही संचालित की जाएंगी।बीटीएम ने किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए आधार कार्ड, खतौनी की छायाप्रति और आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। जो किसान फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराएंगे, वे सरकारी कृषि योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं।कैंप के दौरान किसानों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया और उनके समाधान का भरोसा दिलाया गया। इस अवसर पर चुन्नी गुप्ता, मंजूर अली, औसाफ अली, रविंद्र पाल, उपेंद्र राठौर, शानू मंसूरी, शाहरुख मंसूरी, अन्नू सिद्दीकी, अभिषेक दुबे सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शब-ए-कद्र की रात आज

पुलिस ने की शांति समिति की बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शब-ए-बारात (शब-ए-कद्र) का पर्व मंगलवार को मनाया जाएगा। पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार ने की। बैठक में आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे एवं शांति के साथ मनाने की अपील की गई। इस अवसर पर रसूलाबाद कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने कहा कि शब-ए-बारात के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जाएगी। बताया गया कि शब-ए-बारात इबादत की रात होती है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोग पूरी रात इबादत करते हैं, गुनाहों से तौबा करते हैं तथा अपने पूर्वजों की कब्रों पर जाकर फातिहा पढ़ते हैं।

बैठक में एसएसआई राम सिंह, कस्बा इंचार्ज प्रमोद दीक्षित, उपनिरीक्षक राम किशोर, आरक्षी रामाधार यादव, राहुल गुज्जर, हाजी इसरार अहमद, गोपाल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

संकट मोचन धाम डीघ में वार्षिकोत्सव शुरू, अखंड पाठ प्रारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।मलासा विकासखंड के डीघ गांव स्थित संकट मोचन धाम में मंगलवार को दो दिवसीय 36वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर अखंड पाठ का शुभारंभ किया गया। वार्षिकोत्सव के तहत कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संकट मोचन धाम डीघ में विगत 35 वर्षों से लगातार फरवरी माह के पहले मंगलवार को दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाता आ रहा है। परंपरा के अनुसार पहले दिन अखंड पाठ का शुभारंभ किया गया, जबकि दूसरे दिन अखंड पाठ के समापन के उपरांत हवन-पूजन, कन्या भोज तथा भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पंडित राजकुमार द्विवेदी ने विधि-विधान से ध्वज पूजन, कलश पूजन, हनुमान जी का श्रृंगार एवं रामायण पूजन कर अखंड पाठ का शुभारंभ कराया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान भक्तों में गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। हरिओम मिश्रा, राजेश शुक्ल, अश्वनी शुक्ल, राजू तिवारी, विश्वनाथ तिवारी, शत्रुमर्दन मिश्र, कृपाशंकर मिश्र, गोविंद मिश्र, देवेंद्र सिंह, मलखान यादव, बउअन यादव, सुनील शर्मा, अंकित शुक्ल, अनुराग, सूर्याश, राजा ,पुष्पेंद्र सिंह आदि रहे।

छात्र रहस्यमय ढंग से लापता, दो महीने बाद भी कोई सुराग नहीं

परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका पुलिस पर उठे सवाल

लापता छात्र नागेंद्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र पुलंदर गांव से एक 16 वर्षीय छात्र के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। छात्र को गायब हुए दो महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। इससे परिजनों में दहशत और आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

पुलंदर गांव निवासी रामदेव पुत्र शिवराम सखवार का 16 वर्षीय पुत्र नागेंद्र, कर्मयोगी इंटर कॉलेज चांदपुर में कक्षा 11वीं का छात्र है। परिजनों के अनुसार 27 नवंबर 2025 को नागेंद्र घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजन अनहोनी की आशंका से घिर गए।

छात्र के लंबे समय से लापता होने के बाद पिता रामदेव और पूरा परिवार सदमे में है। परिजनों का कहना है कि नागेंद्र शांत स्वभाव का था और उसका किसी से कोई विवाद नहीं था। ऐसे में अचानक उसका गायब हो जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई है। मूसानगर थाना प्रभारी के बताया है कि छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं और सर्विलांस समेत अन्य तकनीकी माध्यमों से उसकी लोकेशन और संपर्कों की जांच की जा रही है।

उमंग महोत्सव बना बेटियों की सफलता का मंच

मेधावी छात्राओं के सम्मान से गूंजा विद्यालय परिसर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बालिका शिक्षा की मजबूती और बेटियों की उड़ान को नया आयाम देते हुए राज्यकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मलासा में उमंग महोत्सव एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समग्र शिक्षा (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश योजना के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय परिसर उत्सव स्थल में तब्दील हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या शीतला देवी द्वारा किया गया। उन्होंने मेधावी छात्राओं को प्रमाण पत्र, शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए कहा कि आज की बालिकाएं शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र का भविष्य गढ़ रही हैं। महोत्सव के दौरान छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरहाट के प्रभारी प्रधानाध्यापक बलवीर यादव, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मंगलपुर (झींझक) की प्रधानाध्यापिका वंदना चक, विद्यालय पुलंदर के वरिष्ठ शिक्षक अवधेश कुमार, अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

यूजीसी बिल लेकर राष्ट्रीय आंदोलन करेंगे अलंकार अग्निहोत्री

मोदी सरकार के नीतियों को लेकर किया कटाक्ष , योगी आदित्यनाथ के कामकाज की सराहना की

» अलंकार अग्निहोत्री को लेकर सियासी सरगर्मी तेज, निलंबन से आंदोलन तक का पूरा रोड मैप हो रहा तैयार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रयागराज। बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री इन दिनों उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चा के केंद्र में हैं। निलंबन नोटिस, तीखे बयान और अब आंदोलन की चेतावनी–इन तमाम घटनाक्रमों ने सियासी हलकों में हलचल बढ़ा दी है। यह मामला अब केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, कानून के दुरुपयोग और सामान्य वर्ग के अधिकारों की बहस का रूप ले चुका है।

अलंकार अग्निहोत्री का नाम पहले भी प्रशासनिक सख्ती और खुले विचारों के कारण चर्चा में रहा है। बरेली में तैनाती के दौरान उनके कुछ फैसलों और बयानों को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। अनुसूचित जाति-जनजाति कानून के कथित दुरुपयोग पर उनकी सार्वजनिक टिप्पणी के बाद प्रशासनिक हलकों में असहजता बढ़ी और अंततः उन्हें निलंबन नोटिस जारी किया गया। तभी से यह मामला राजनीतिक रंग लेता चला जा रहा है।

मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे अग्निहोत्री ने उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से मुलाकात कर निलंबन नोटिस के खिलाफ कानूनी विकल्पों पर चर्चा की। इस मुलाकात के बाद यह साफ हो गया कि लड़ाई अब केवल विभागीय नहीं, बल्कि न्यायिक और जन आंदोलन–दोनों स्तरों पर लड़ी जाएगी।

केंद्र सरकार पर सीधा हमला

अग्निहोत्री ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति कानून सामान्य वर्ग के लिए काला कानून बन चुका है। उनका आरोप है कि इस कानून के नाम पर निर्दोष ब्राह्मणों और सामान्य वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि 6 फरवरी तक विशेष सत्र बुलाकर इस कानून पर पुनर्विचार किया जाए।

UGC को लेकर दिल्ली कूच की चेतावनी

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि सरकार ने विशेष सत्र नहीं बुलाया तो 7 फरवरी से दिल्ली कूच किया जाएगा। इस्तीफा वापस लेने के सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि यह लड़ाई किसी पद की नहीं, बल्कि स्वाभिमान और अधिकारों की है।

जहां एक ओर केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए गए, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था और निर्णायक प्रशासनिक शैली की अग्निहोत्री ने खुलकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि प्रदेश में सख्त निर्णयों से अपराध और अराजकता पर लगाम लगी है, जो सुशासन का उदाहरण है।

ब्राह्मण समाज से आह्वान

अग्निहोत्री ने ब्राह्मण समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह समय झुकने का नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ संगठित संघर्ष का है। उनका दावा है कि यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज के स्वाभिमान की लड़ाई है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह मुद्दा आने वाले दिनों में बड़ा सियासी रूप ले सकता है। जहां एक ओर विपक्ष इसे सरकार की नीतियों पर हमला करने के अवसर के रूप में देख रहा है,

वहीं सत्ता पक्ष के लिए भी यह मामला सामाजिक संतुलन और कानून व्यवस्था के लिहाज से चुनौती बनता जा रहा है।

कुल मिलाकर, अलंकार अग्निहोत्री को लेकर शुरू हुई यह राजनीतिक हलचल अब एक व्यापक आंदोलन और वैचारिक बहस की ओर बढ़ती दिख रही है, जिसके असर आने वाले दिनों में सड़क से लेकर संसद तक दिखाई दे सकते हैं।

रॉटविलर के हमले से मासूम लहूलुहान, प्रशासनिक लापरवाही बेनकाब

» सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खुलेआम अनदेखी, नगर-प्रशासन मौन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

हमीरपुर। भरुआ सुमेरपुर कस्बे के विध्यावासिनी रोड पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां पड़ोसी के पालतू रॉटविलर कुत्ते ने एक मासूम बच्चे पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बच्चे के हाथ और सीने पर गहरे जख्म आए, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़ित के पिता राजेंद्र कुमार ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ थाने में तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उक्त रॉटविलर पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुका है, लेकिन न तो कुत्ते के मालिक ने कोई सुरक्षा इंतजाम किए और न ही नगर-प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। बिना पट्टा और मज़ल (मुँहबंध) खुलेआम घूमता यह खतरनाक कुत्ता अब मासूम की जान का दुश्मन बन गया। सुप्रीम कोर्ट अपने कई स्पष्ट आदेशों में कह चुका है कि खतरनाक नस्ल के पालतू कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों पर बिना पट्टा और मज़ल घुमाना अपराध है कि किसी भी हमले की स्थिति में कुत्ते का मालिक पूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। स्थानीय निकायों और पुलिस को तत्काल कार्रवाई करनी होगी। इसके बावजूद कस्बे में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी कर आम नागरिकों की जान जोखिम में डाली जा रही है।

फिरोजाबाद में पिता बना हैवान, हंसिया से बेटे की हत्या कर शव बक्से में छिपाया

स्कूल से लौटी मां को घर में दिखा खून, तीन घंटे बाद बक्से से मिला 12 वर्षीय बच्चे का शव

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

फिरोजाबाद ।यूपी के फिरोजाबाद जिले के मक्खनपुर क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक पिता ने कथित रूप से अपने 12 वर्षीय बेटे की हंसिया से वार कर हत्या कर दी और शव को बक्से में छिपाकर फरार हो गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब स्कूल से लौटी मां ने घर के अंदर खून फैला देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच के दौरान बक्शे से बच्चे का शव बरामद किया।

जानकारी के अनुसार जेपी ग्लास के पास स्थित मकान में राजेश लोधी अपनी पत्नी उर्मिला, बेटा मयंक और बेटी महिमा के साथ रहता था। पति-पत्नी के बीच करीब 12 वर्षों से विवाद चल रहा था। उर्मिला एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। सोमवार को वह स्कूल गई थीं। दोपहर में बेटा और बेटी स्कूल से लौटे। कुछ देर बाद बेटी ट्यूशन के लिए घर से निकल गई। आरोप है कि इसके बाद घर पर मौजूद राजेश ने बेटे मयंक पर हंसिया से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद शव को बक्शे में कपड़ों के नीचे छिपाकर आरोपी भाग निकला ।करीब दो बजे उर्मिला घर लौटीं तो खून बिखरा देखकर घबरा गईं और पुलिस को सूचना दी। शुरुआती तलाशी में शव नहीं मिला, लेकिन गहन जांच के दौरान करीब तीन घंटे बाद बक्शे से शव बरामद हुआ। बच्चे के चेहरे, गर्दन और शरीर पर कई गहरे घाव मिले हैं। सूचना पर एसपी देहात अनुज चौधरी, सीओ अनिवेश कुमार समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची ।घटना से आक्रोशित मायके पक्ष के लोगों ने आरोपी के खिलाफ हत्या की तहरीर दी और देर शाम उसके पैतृक मकान पर पहुंचकर तोड़फोड़ की। एसएसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि आरोपी शराब का आदी बताया जा रहा है और पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अयोध्या

विकास प्राधिकरण

सुस्ती ने रोके अयोध्या के सपने

विकास की राह में बाधा बना

» समय पर पूरी नहीं हो रहीं परियोजनाएं, सचिव की निष्क्रियता पर उठे गंभीर सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक और अंतरराष्ट्रीय महत्व के नगर में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार अब प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बनती जा रही है। अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित सड़क चौड़ीकरण और विकास परियोजनाएं समय से पूरी न हो पाने के कारण आम जनता, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विकास के नाम पर शुरू की गई योजनाएं महीनों से अधर में लटकी हैं। कहीं सड़कें खुदी पड़ी हैं, तो कहीं निर्माण कार्य वर्षों से अधूरा है। इससे शहर में जाम, धूल-मिट्टी और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

सबसे गंभीर उदाहरण लता चौक से पुराने सरयू पुल तक सड़क चौड़ीकरण का है। महज 10 दुकानों के विस्थापन न हो पाने के कारण यह परियोजना बीते दो वर्षों से ठप पड़ी है। यदि समय रहते अधिग्रहण की कार्रवाई होती, तो यह मार्ग कब का चौड़ा होकर जनता को राहत दे चुका होता। प्राधिकरण द्वारा कई स्थानों पर नई दुकानें तो बना दी गईं, लेकिन प्रशासनिक निष्क्रियता के चलते उनकी नीलामी अब तक नहीं हो सकी। इससे न केवल राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि विस्थापित दुकानदारों की समस्या भी जस की तस बनी हुई है।

सचिव की भूमिका पर सबसे बड़े सवाल

पूरे मामले में विकास प्राधिकरण के सचिव की कार्यप्रणाली सबसे अधिक सवालों के घेरे में है। किसी भी प्राधिकरण में सचिव को प्रशासनिक रीढ़ माना जाता है, लेकिन अयोध्या में उनकी भूमिका बेहद सुस्त और उदासीन दिखाई दे रही है। प्राधिकरण के सूत्रों के अनुसार, सेवानिवृत्ति नजदीक होने के कारण सचिव पिछले छह महीनों से किसी भी बड़े निर्णय से बच रहे हैं। जिला प्रशासन से समन्वय की कमी के चलते अधिग्रहण प्रक्रिया भी ठप पड़ी रही। यदि समय पर पहल होती, तो 90 दिनों के भीतर चौड़ीकरण कार्य पूरा हो सकता था। समीक्षा बैठकों में कभी तकनीकी समस्या तो कभी अन्य कारणों का हवाला देकर देरी को टाल दिया जाता है। लेकिन इन समस्याओं का समाधान निकालना भी प्रशासन की ही जिम्मेदारी है। इच्छाशक्ति और जवाबदेही के अभाव में योजनाएं फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। अयोध्या को आदर्श धर्म नगरी और वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने का सपना तभी साकार हो सकता है, जब विकास प्राधिकरण पारदर्शिता, सक्रियता और सख्ती के साथ कार्य करे। समयबद्ध कार्ययोजना, नियमित निरीक्षण और लापरवाही पर कठोर कार्रवाई ही एकमात्र समाधान है।

टेढ़ी बाजार-लता चौक पर ई-रिक्शों की एंट्री पर प्रतिबंध

» आयुक्त ने तय किए नए रूट, जाम से निजात के लिए सख्त निर्देश

» अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी, चलेगा बुल्डोजर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। शहर में लगातार लगने वाले जाम और अव्यवस्थित यातायात पर लगाम कसने के लिए मंडल आयुक्त राजेश कुमार ने बड़ा फैसला लिया है। अब टेढ़ी बाजार और लता मंगेशकर चौक क्षेत्र में ई-रिक्शों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए अलग-अलग रूट निर्धारित कर दिए गए हैं।

मंडल आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में अनियंत्रित और अवैध रूप से चल रहे ई-रिक्शों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश नगर निगम और यातायात पुलिस को दिए गए। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि बिना अनुमति और निर्धारित रूट के बाहर चलने वाले ई-रिक्शों पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालान और जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।बैठक में निर्णय लिया गया कि दुकानदारों से वार्ता कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दुकानों के बाहर सामान न फैलाए। सड़क पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। होम स्टे योजना को लेकर भी आयुक्त ने सख्ती दिखाई। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और मानकों के अनुरूप बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, विदेशी पर्यटकों के पहचान पत्र का रिकॉर्ड रखने को अनिवार्य किया गया। बैठक में आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी गौरव ग्रोवर, प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनुराज जैन, सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह सहित नगर निगम, यातायात पुलिस, पर्यटन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एक्सपायर कीटनाशक बेचने पर दुकान का लाइसेंस निलंबित

15 बीघा आलू की फसल खराब होने पर कृषि विभाग की कार्रवाई

जिला कृषि रक्षा अधिकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में एक्सपायर कीटनाशक बेचने के आरोप में कृषि विभाग ने मेसर्स आर.एम. ट्रेडर्स का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। विक्रेता द्वारा बेची गई समाप्ति तिथि पार कर चुकी दवा के छिड़काव से एक किसान की 15 बीघा आलू की फसल खराब हो गई थी, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई थी।

यह कार्रवाई बीकापुर विकासखंड के रतनपुर तेंदुआ निवासी किसान सुरेंद्र प्रताप सिंह की शिकायत पर की गई। किसान ने ऑनलाइन जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर विभाग ने सख्त कदम उठाया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति या प्रतिष्ठान को बख्शा नहीं जाएगा। एक्सपायर या अमानक कीटनाशकों की बिक्री गंभीर अपराध है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई से पहले दुकानदार को नोटिस जारी किया गया था,

लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर लाइसेंस निलंबित किया गया।

जिला कृषि अधिकारी ने कीटनाशी अनुज्ञापन अधिनियम की धारा-14 (ख) के तहत मेसर्स आर.एम. ट्रेडर्स, दुकान संख्या-1, सुपर मार्केट, नवीन मंडी गेट, रायबरेली रोड, फैजाबाद का लाइसेंस संख्या 38/2001 को अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे कृषि उत्पाद खरीदते समय निर्माण और समाप्ति तिथि की जांच अवश्य करें तथा किसी भी अनियमितता की सूचना तुरंत विभाग को दें।

डिजिटल ठगी से बचने को जागरूकता ही बड़ा हथियार

» अयोध्या में पुलिस लाइन सभागार में जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। तेजी से बढ़ते साइबर अपराध और आर्थिक ठगी के मामलों को देखते हुए रिज़र्व पुलिस लाइन स्थित आरटीसी सभागार में जन-जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, निवेशकों और पुलिस कर्मियों को डिजिटल ठगी से बचाव के प्रति सतर्क करना रहा। यह संगोष्ठी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अयोध्या पुलिस के सहयोग से आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदरारामन रामामूर्ति रहे। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। जब तक नागरिक स्वयं सतर्क नहीं होंगे, तब तक ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को शिकार बनाते रहेंगे।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि साइबर अपराधों की समय पर पहचान और तुरंत शिकायत दर्ज कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भारी नुकसान का कारण बन सकती है। संगोष्ठी में फर्जी निवेश योजनाओं, झूठे फोन कॉल, फर्जी संदेश, नकली कड़ियों और ऑनलाइन ठगी से बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोगों को बताया गया कि बिना जांच-पड़ताल किसी भी योजना में धन लगाना गंभीर भूल हो सकती है। कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों, निवेशकों और आम नागरिकों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं सतर्क रहेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। इस अवसर पर साइबर अपराध नोडल अधिकारी बलवंत चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

- आलू के ऐसे दाम मिल रहे हैं, जो उनकी लागत तक नहीं निकाल पा रहे

300 रुपये कुंतल में बिक रही मेहनत, कर्ज में डूबा अन्नदाता

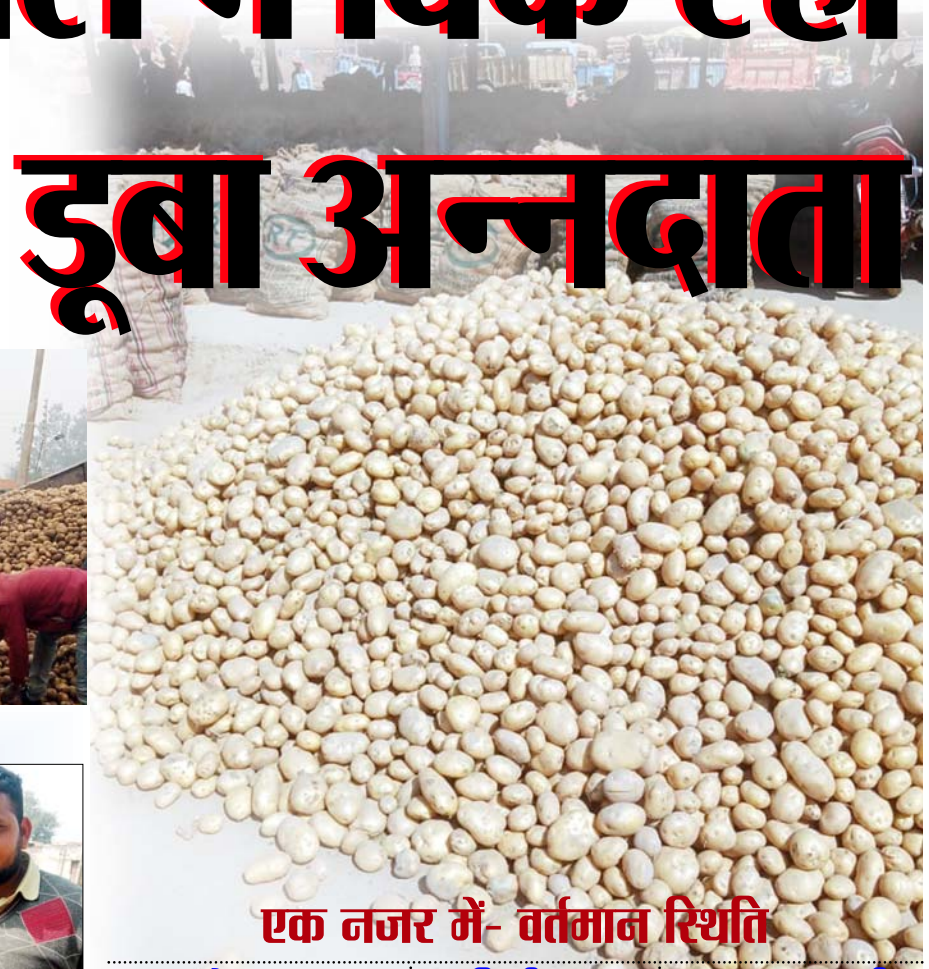

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। आलू उत्पादक किसानों के लिए इस बार फसल वरदान नहीं, बल्कि संकट बनकर सामने आई है। उत्पादन के बाद मंडी तक पहुंचने पर भी किसानों को आलू के ऐसे दाम मिल रहे हैं, जो उनकी लागत तक नहीं निकाल पा रहे। कर्ज लेकर आलू की बुवाई करने वाले किसान अब गहरे आर्थिक दबाव में हैं।

किसानों का कहना है कि मंडी में आलू का भाव इस समय 300 से 400 रुपये प्रति कुंतल के बीच सिमटा हुआ है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में आलू 1000 रुपये प्रति कुंतल तक बिक रहा था। लगातार गिरते दामों ने किसानों की कमर तोड़ दी है। सातनपुर मंडी में हालात और भी गंभीर हैं। आढ़ती एसोसिएशन के अनुसार, रोजाना 50 से 80 ट्रॉली आलू मंडी में पहुंच रही हैं। आलू खराब होने के डर से किसान मजबूरी में औने-पौने दामों पर फसल बेच रहे हैं। किसानों को उम्मीद है कि 15 दिन बाद कोल्ड स्टोरेज खुलने और आलू पकने के बाद भाव में कुछ सुधार हो सकता है, लेकिन तब तक छोटे और मध्यम किसान भारी नुकसान झेलने को मजबूर हैं।

नहीं मिल रहा लागत का मूल्य

रुनी-चुरसाई निवासी किसान विक्रम सिंह बताते हैं कि पिछले साल 10 बीघा में आलू से करीब 2.48 लाख रुपये की आमदनी हुई थी, लेकिन इस साल उसी खेत से महज 1.05 लाख रुपये ही मिल पाए। कर्ज में डूब गए हैं। उन्होंने प्रति बीघा लागत का मोटा हिसाब बताया कि खेत की तैयारी व जुताई, बीज व बीज शोधन, खाद, गुड़ाई, लेबर खर्च, कीटनाशक, सिंचाई, खुदाई. व खेत की उगाही मिलाकर कुल लागत (लगभग) 15,300 रुपए प्रति बीघा आती है। जबकि इस समय जो हालात हैं उससे लागत का आधा भी वापस नहीं आ रहा।

एक नजर में- वर्तमान स्थिति

पैदावार	बिक्री दर	कुल आमदनी
20 पैकेट प्रति बीघा (करीब 10 कुंतल)	600-700 रुपए प्रति कुंतल	6,000 से 7,000 रुपए प्रति बीघा

तड़के एसटीएफ का ऑपरेशन

अस्पताल से उठा फार्मासिस्ट, अपहरण-हत्या कांड में फंसा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सुबह की खामोशी को चीरते हुए करीब 4 बजे एसटीएफ की गाड़ियों ने दस्तक दी और देखते ही देखते श्रीराम अस्पताल के फार्मासिस्ट रामप्रीत वर्मा को उनके आवास से हिरासत में ले लिया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से परिवार से लेकर पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, रामप्रीत वर्मा का नाम एक सप्ताह पूर्व हुए हत्या कांड की जांच में सामने आया था। पूछताछ आगे बढ़ी तो पड़ोसी जनपद बस्ती के पकौली थाना क्षेत्र में दर्ज अपहरण और हत्या के प्रयास के मामले से भी तार जुड़ते चले गए। पूछताछ के दौरान फार्मासिस्ट की निशानदेही पर अपहरण में प्रयुक्त टाटा नेक्सान कार बरामद कर ली गई। कार की बरामदगी के बाद एसटीएफ को ऐसे अहम सुराग मिले हैं, जिन्होंने पूरे केस की दिशा ही बदल दी है।

इसके बाद एसटीएफ टीम ने श्रीराम अस्पताल स्थित फार्मासिस्ट के कार्यालय पर छापा मारकर रिकॉर्ड, दस्तावेज और गतिविधियों की गहन जांच की। कई बिंदुओं पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं, जिन्हें जांच का हिस्सा बनाया गया है। सूत्रों का दावा है कि इस सनसनीखेज मामले में रामप्रीत वर्मा के दामाद की भूमिका भी संदिग्ध है। दामाद पर पहले से ही अपहरण और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप हैं, और जांच में दोनों के बीच अपराध की कड़ियां जुड़ती दिखाई दे रही हैं।

➪ **निशानदेही पर नेक्सान कार बरामद, दामाद भी जांच के घेरे में**

सुबह-सुबह हुई एसटीएफ की इस कार्रवाई से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। कर्मचारी दहशत में रहे और दिनभर इलाके में यही चर्चा रही कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा व्यक्ति अपराध की दुनिया में कैसे उतर गया। फिलहाल एसटीएफ आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है। बरामद सबूतों और बयान के आधार पर जल्द ही बड़ी कानूनी कार्रवाई होने के संकेत हैं।

क्राइम फाइल - एक नज़र में

- सुबह 4 बजे एसटीएफ का दबिश ऑपरेशन
- अस्पताल का फार्मासिस्ट हिरासत में
- अपहरण में इस्तेमाल टाटा नेक्सान बरामद
- अस्पताल कार्यालय में छापा
- दामाद पर भी संगीन आरोप
- इलाके में दहशत, चर्चाओं का दौर

व्हाट्सऐप और मेटा को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

कहा–उपभोक्ताओं की लत का उठाया जा रहा व्यावसायिक लाभ

स्वराज इंडिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सऐप और उसकी मूल कंपनी मेटा को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कंपनियों को केवल अपने मुनाफे की चिंता है और वे यह भली-भांति जानती हैं कि लोग व्हाट्सऐप के आदी हो चुके हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं की निजी जानकारी का उपयोग व्यावसायिक लाभ के लिए किया जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश ने मेटा से कहा कि कंपनी अपने व्यावसायिक हितों को समझती है और यह भी जानती है कि उसने उपभोक्ताओं को ऐप का आदी कैसे बनाया। आज हर वर्ग का व्यक्ति व्हाट्सऐप का उपयोग कर रहा है। तमिलनाडु के किसी गांव में बैठा व्यक्ति, जो केवल अपनी भाषा समझता है, वह आपकी शर्तों को कैसे समझेगा। अदालत ने मेटा से अंडरटेकिंग देने को कहा और स्पष्ट किया कि उसके बाद ही मामले की मेरिट के आधार पर सुनवाई की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि व्हाट्सऐप का उद्देश्य डेटा इकट्ठा करना या बेचना नहीं है, बल्कि यह केवल मैसेजिंग और संचार सेवा देने के लिए है। अदालत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे ही कोई व्यक्ति डॉक्टर से दवा की पर्ची मंगवाता है और वह पर्ची संदेश के माध्यम से आती है, उसके कुछ ही मिनटों में उस विषय से जुड़े कई संदेश आने लगते हैं, जो डेटा के दुरुपयोग की ओर संकेत करता है।

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट केवल निजता की सुरक्षा की बात करता है, जबकि कंपनियां ऑनलाइन विज्ञापन के उद्देश्य से उपभोक्ताओं के डेटा का उपयोग कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को डिजिटल निजता और उपभोक्ता अधिकारों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com